Drishti IAS

# करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

## नवंबर (संग्रह)

## 2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

# अनुक्रम

## छत्तीसगढ़


- राष्ट्रपति मुर्मू का छत्तीसगढ़ दौरा 3
- छत्तीसगढ़ का 24वाँ स्थापना दिवस 3
- रायपुर में हाथियों की करंट लगने से मौत 4
- हसदेव माइनिंग क्लीयरेंस में अनियमितता 5
- छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024-29 7
- बस्तर में माओवादियों से मुठभेड़ 7
- छत्तीसगढ़ में 56वाँ टाइगर रिज़र्व 9
- रायपुर में सुशासन सम्मेलन 10


The Vision

**नोट :**

# छत्तीसगढ़

## राष्ट्रपति मुर्मू का छत्तीसगढ़ दौरा

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर केंद्रित दो दिवसीय छत्तीसगढ़ का आधिकारिक दौरा किया।

### प्रमुख बिंदु

- **रायपुर में कार्यक्रम:**
  - राष्ट्रपति मुर्मू ने **एम्स रायपुर के 10वें दीक्षांत समारोह** में भाग लिया, जहाँ उन्होंने छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया।
- **सांस्कृतिक सम्मान:**
  - अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा **राज्य की समृद्ध जनजातीय विरासत** को दर्शाने वाले कार्यक्रमों में भाग लिया।
- **स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर ध्यान:**
  - उनकी चर्चाओं में **छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य शिक्षा और बुनियादी ढाँचे** की उन्नति पर ज़ोर दिया गया।

### भारत के राष्ट्रपति

- **भारतीय संविधान, 1950 ( Constitution of India- COI )** राष्ट्रपति के चुनाव, शक्तियों और कार्यों के लिये एक विस्तृत रूपरेखा प्रदान करता है, जो आवश्यकता पड़ने पर औपचारिक कर्तव्यों और पर्याप्त शक्तियों के बीच संतुलन सुनिश्चित करता है।
- भारत का राष्ट्रपति राज्य का कार्यकारी प्रमुख और भारतीय सशस्त्र बलों का सर्वोच्च कमांडर होता है।
- देश के सभी कार्यकारी कार्य राष्ट्रपति के नाम पर किये जाते हैं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 52 में कहा गया है कि राज्य का एक अध्यक्ष होगा।

## छत्तीसगढ़ का 24वाँ स्थापना दिवस

### चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ अपना **24वाँ स्थापना दिवस** विभिन्न जीवंत कार्यक्रमों के साथ मना रहा है, जिनमें राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा।

### मुख्य बिंदु

- **गठन:**
  - छत्तीसगढ़ की स्थापना **1 नवंबर 2000 को** मध्य प्रदेश के 16 ज़िलों को मिलाकर की गई थी।
  - यह **भारत का 10वाँ सबसे बड़ा राज्य है** जिसका क्षेत्रफल 1,35,190 वर्ग किमी. है।

नोट :

- **अर्थव्यवस्था:**
  - छत्तीसगढ़ इस्पात और विद्युत उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र है, जो **भारत के कुल इस्पात उत्पादन में लगभग 15% का योगदान देता है।**
  - **"धान का कटोरा" ( Bowl of Rice ) के** नाम से प्रसिद्ध इस क्षेत्र में लगभग 80% कार्यबल कृषि से जुड़ा है, जो मुख्य रूप से चावल की खेती पर केंद्रित है।
- **भूगोल:**
  - राज्य की सीमाएँ **मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश के साथ मिलती हैं।**
  - रायपुर छत्तीसगढ़ की राजधानी है।
  - छत्तीसगढ़ी यहाँ की मूल भाषा है, जबकि हिंदी व्यापक रूप से बोली जाती है।
- **जनजातीय विविधता:**
  - प्रमुख जनजातियों में **गोंड, बैगा, हल्बा और कमार शामिल हैं,** जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में योगदान देते हैं।
- **त्योहार:**
  - उल्लेखनीय त्योहारों में **बस्तर दशहरा, मड़ई महोत्सव** और **कोरिया मेला शामिल हैं,** जो जीवंत आदिवासी परंपराओं को दर्शाते हैं।

## रायपुर में हाथियों की करंट लगने से मौत

### चर्चा में क्यों ?

**छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय** ने रायगढ़ ज़िले में तीन **हाथियों की करंट लगने से हुई मौत** के मामले में **लापरवाही** के लिये **राज्य के ऊर्जा विभाग के अधिकारियों** को चेतावनी दी है।

### मुख्य बिंदु

- **न्यायालय का निर्णय:**
  - खंडपीठ ने ऊर्जा विभाग को घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए शपथ-पत्र प्रस्तुत करने का आदेश दिया। अधिकारियों को रायगढ़ के **घरघोड़ा वन रेंज में हाथियों की मृत्यु से संबंधित परिस्थितियों का विवरण देने** और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिये निवारक उपायों की योजना बनाने के लिये निर्देशित किया गया।
  - प्रारंभिक जाँचा द्वारा स्पष्ट होता है कि **वन विभाग के कर्मचारियों ने स्थानीय विद्युत विभाग को खतरनाक रूप से कम ऊँचाई वाली 11 kV ट्रांसमिशन लाइन** के बारे में बार-बार चेतावनी दी थी।
  - हालाँकि, इस समस्या के समाधान के लिये कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः हाथियों की मौत हो गई।
- **वन्यजीव सुरक्षा पर ज़ोर:**
  - मामले को **स्वतः संज्ञान** में लेते हुए, न्यायालय ने **वन्यजीव सुरक्षा और संरक्षण के महत्त्व पर ज़ोर दिया** तथा वन्यजीवों के निवास वाले क्षेत्रों में ज़िम्मेदार प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित किया।
- **छत्तीसगढ़ में हाथियों की मौत:**
  - राज्य वन विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में **पिछले छह वर्षों में विभिन्न कारणों से 70 से अधिक हाथियों की मौत हुई है,** जिनमें से वर्ष 2024 में 13 की मौत करंट लगने के कारण हुई है।

नोट :

## हसदेव माइनिंग क्लीयरेंस में अनियमितता

### चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग ( CSSTC ) ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में स्थित परसा कोयला खदान के लिये **पर्यावरण मंज़ूरी प्रक्रिया** में अनियमितताओं की पहचान की है।

- CSSTC ने **जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र हसदेव** में स्थित इस खनन परियोजना **के लिये वन मंज़ूरी रद्द करने की सिफारिश की** है।

### मुख्य बिंदु

- **CSSTC:**
  - छत्तीसगढ़ सरकार ने **अनुसूचित जनजातियों से संबंधित नीतियों की सिफारिश करने** के लिये **जनजातीय सलाहकार परिषद का गठन किया।**
  - **छत्तीसगढ़** की कुछ जनजातियों में बस्तर के गोंड, बैगा जनजाति, पहाड़ी कोरवा जनजाति, अभुज मारिया, बाइसनहॉर्न मारिया, मुरिया, हलबा, बिरहोर जनजाति, भतरा और धुरवा शामिल हैं।
  - छत्तीसगढ़ के **मुख्यमंत्री** परिषद के **अध्यक्ष हैं** तथा आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के मंत्री सदस्य हैं।
- **CSSTC के निष्कर्ष:**
  - **पर्यावरणीय मंज़ूरी में अनियमितताएँ:** आयोग ने पाया कि परसा कोयला खदान के लिये **पर्यावरणीय मंज़ूरी, जिसे केवल ग्राम सभा**

नोट :

**की सहमति से प्राप्त किया जाना अनिवार्य है, जाली दस्तावेजों का उपयोग करके प्राप्त की गई थी।**

- **ज़िला प्रशासन का कथित दुरुपयोग:** आयोग के पत्र में कहा गया है कि खनन कंपनी ने कोयला खदान के लिये पर्यावरण मंज़ूरी और वन भूमि परिवर्तन की अनुमति प्राप्त करने के लिये ज़िला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की।
- आयोग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह की कार्रवाइयाँ ग्राम सभाओं के अधिकारों का उल्लंघन करती हैं, जिन्हें **भारतीय संविधान की पाँचवीं अनुसूची** के तहत स्वायत्त संस्थाओं के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **आदिवासी गाँवों की शिकायत:** आयोग की **जाँच 2021 में साल्ही, हरिहरपुर और फतेपुर गाँवों के 41 निवासियों की शिकायत के बाद शुरू हुई**, जिसमें आरोप लगाया गया था कि परियोजना के लिये जाली ग्राम सभा दस्तावेजों का उपयोग किया गया था।

- **निरस्तीकरण एवं कानूनी कार्रवाई की मांग:**
  - CSSTC की रिपोर्ट के बाद, **छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन ( CBA )**, जो **हसदेव में खनन विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहा है**, ने खदान की वन और पर्यावरण मंज़ूरी रद्द करने की मांग की।

## हसदेव अरंड वन

- छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में स्थित विशाल हसदेव अरंड वन **अपनी जैव विविधता और कोयला भंडार के लिये जाना जाता है।**
- यह वन **कोरबा, सुजापुर और सरगुजा ज़िलों के अंतर्गत आता है** जहाँ आदिवासी जनसंख्या काफी अधिक है।
- **महानदी की सहायक नदी हसदेव नदी** यहाँ से होकर बहती है।
- हसदेव अरंड **मध्य भारत का सबसे बड़ा अखंडित वन है, जिसमें प्राचीन साल ( शोरिया रोबस्टा ) और सागौन के वन शामिल हैं।**
- यह एक **प्रसिद्ध प्रवासी गलियारा है और यहाँ हाथियों की** महत्त्वपूर्ण उपस्थिति है।

नोट :

# छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024-29

## चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के स्थापना दिवस पर **नई औद्योगिक नीति** शुरू की। इसमें **आत्मसमर्पित** नक्सलियों, **महिलाओं और** थर्ड जेंडर समुदाय **के लिये विशेष प्रावधान** पेश किये गए हैं, जो विकास में समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

- नई औद्योगिक नीति 2024-29 "**अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विजन@2047**" के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य **राज्य को एक आत्मनिर्भर औद्योगिक केंद्र में बदलना है।**

## प्रमुख बिंदु

- **नीति के उद्देश्य:**
  - नीति का उद्देश्य **आर्थिक विकास को बढ़ावा** देना है तथा हाशिये पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना है, तथा यह सुनिश्चित करना है कि सभी नागरिकों को विकास में भाग लेने और लाभ उठाने का अवसर मिले।
- **महत्त्वपूर्ण पहल:**
  - **विशेष प्रावधान:**
    - एक समर्पित प्रोत्साहन पैकेज में **उद्यमिता प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता** शामिल है, जो **आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को एक नई शुरुआत** और सार्थक सामुदायिक **भागीदारी के अवसर** प्रदान करता है ।
    - **विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और सरकार समर्थित वित्तीय सहायता, थर्ड जेंडर समुदाय** के सदस्यों को अपना उद्यम स्थापित करने के लिये सशक्त बनाती है, जिससे लंबे समय से चली आ रही सामाजिक और आर्थिक बाधाएँ समाप्त हो जाती हैं।
    - लक्षित पहलों में निवेश रियायतें, कर छूट और वित्तीय सहायता के साथ-साथ **महिलाओं के बीच स्वरोज़गार और व्यवसाय प्रबंधन को बढ़ावा देने** के लिये कौशल-आधारित प्रशिक्षण शामिल हैं।
  - **आर्थिक विकास उपाय:**
    - **नीति अनुदान** सब्सिडी को 18%-20% से बढ़ाकर 30%-35% कर देती है, जिससे नए उद्यमों और छोटे व्यवसायों को सहायता मिलती है।
    - नवीन विचारों को सतत् व्यवसायों में परिवर्तित करने में स्टार्ट-अप्स **की सहायता** के लिये **50 करोड़ रुपए का कोष** निर्धारित किया गया है।
    - "सिंगल विंडो सिस्टम 2.0" विभागों में अनुमोदन को डिजिटल बनाता है, अनुमति, लाइसेंस एवं पंजीकरण को सरल बनाता है, जिससे निवेश प्रक्रियाएँ अधिक कुशल और आकर्षक बनती हैं।
    - प्रोत्साहनों से **लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को सहायता** मिलेगी, जिसका ध्यान लॉजिस्टिक्स, नए औद्योगिक क्षेत्रों और क्लस्टर विकास पर होगा, जिससे राज्य भर में एक मज़बूत व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होगा।
    - नीति में **प्रदूषण मुक्त उद्योगों** को प्राथमिकता दी गई है, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और सतत् उत्पाद विकास को, तथा विकास को पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के साथ संरेखित किया गया है।

## सिंगल विंडो सिस्टम ( SWS ) 2.0

- यह अपने पोर्टल पर **16 विभागों** की **100 से अधिक सुविधाएँ** प्रदान करता है।
- आवेदक को **केवल एक बार लॉग इन करना होगा** और उसे दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि प्रक्रिया के दौरान किसी विभाग को जानकारी की आवश्यकता होती है, तो आवेदक लॉग इन करके पता कर सकता है।
- किसी भी कार्यालय से ऑफलाइन संपर्क करने की आवश्यकता नहीं है। ई-चालान के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है। आवेदन पत्रों के निस्तारण के लिये विभागीय अधिकारियों को ID और पासवर्ड दिये गए हैं।

# बस्तर में माओवादियों से मुठभेड़

## चर्चा में क्यों ?

**छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में उग्रवाद विरोधी अभियान** में पाँच माओवादी मारे गए तथा दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

नोट :

## प्रमुख बिंदु

- **ऑपरेशन में शामिल बल:**
  - इस ऑपरेशन में सीमा सुरक्षा बल ( BSF ), ज़िला रिज़र्व गार्ड ( DRG ) और **विशेष कार्य बल ( STF )** के जवान शामिल हैं।
  - **सीमा सुरक्षा बल ( BSF )** भारत में वर्ष 1965 में स्थापित एक अर्द्धसैनिक बल है, जिसकी स्थापना मुख्य रूप से देश की भूमि सीमाओं की रक्षा करने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिये की गई थी।
- **बस्तर क्षेत्र में माओवादियों के हताहत होने की संख्या:**
  - **वर्ष 2024 में** बस्तर क्षेत्र में अलग-अलग मुठभेड़ों में **कुल 197 माओवादियों के शव बरामद** किये गये।

# वामपंथी उग्रवाद

### परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

### विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

### ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

### वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

### वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फॉर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

**नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)**

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

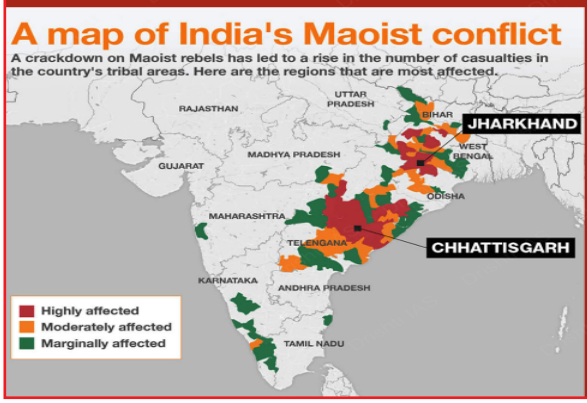


Drishti IAS

नोट :

## ज़िला रिज़र्व गार्ड ( DRG )

- ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) **छत्तीसगढ़ में एक विशेष पुलिस इकाई** है, जिसे **वर्ष 2008 में** माओवादी हिंसा से निपटने के लिये **स्थापित** किया गया था।
- इसमें **विशेष रूप से प्रशिक्षित कार्मिक** शामिल होते हैं जो प्रभावित ज़िलों में माओवाद-विरोधी अभियान चलाते हैं, **तलाशी और जब्ती करते हैं तथा खुफिया जानकारी एकत्र** करते हैं।
- माओवादी विद्रोह का मुकाबला करने के लिये DRG केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल ( CRPF ) जैसे अन्य सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करता है।

# छत्तीसगढ़ में 56वाँ टाइगर रिज़र्व

## चर्चा में क्यों ?

हाल ही में छत्तीसगढ़ में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य **को आधिकारिक तौर पर देश का 56वाँ** टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है।

## मुख्य बिंदु

- **गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व:**
  - गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व **छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर और बलरामपुर ज़िलों तक विस्तृत है।**
  - कुल क्षेत्रफल **2,829.38 वर्ग किमी. है**, जिसमें मुख्य बाघ पर्यावास 2,049.2 वर्ग किमी. और बफर ज़ोन 780.15 वर्ग किमी. है।
  - यह आंध्र प्रदेश में नागार्जुनसागर-श्रीशैलम और असम में मानस के बाद **भारत का तीसरा सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य है।**

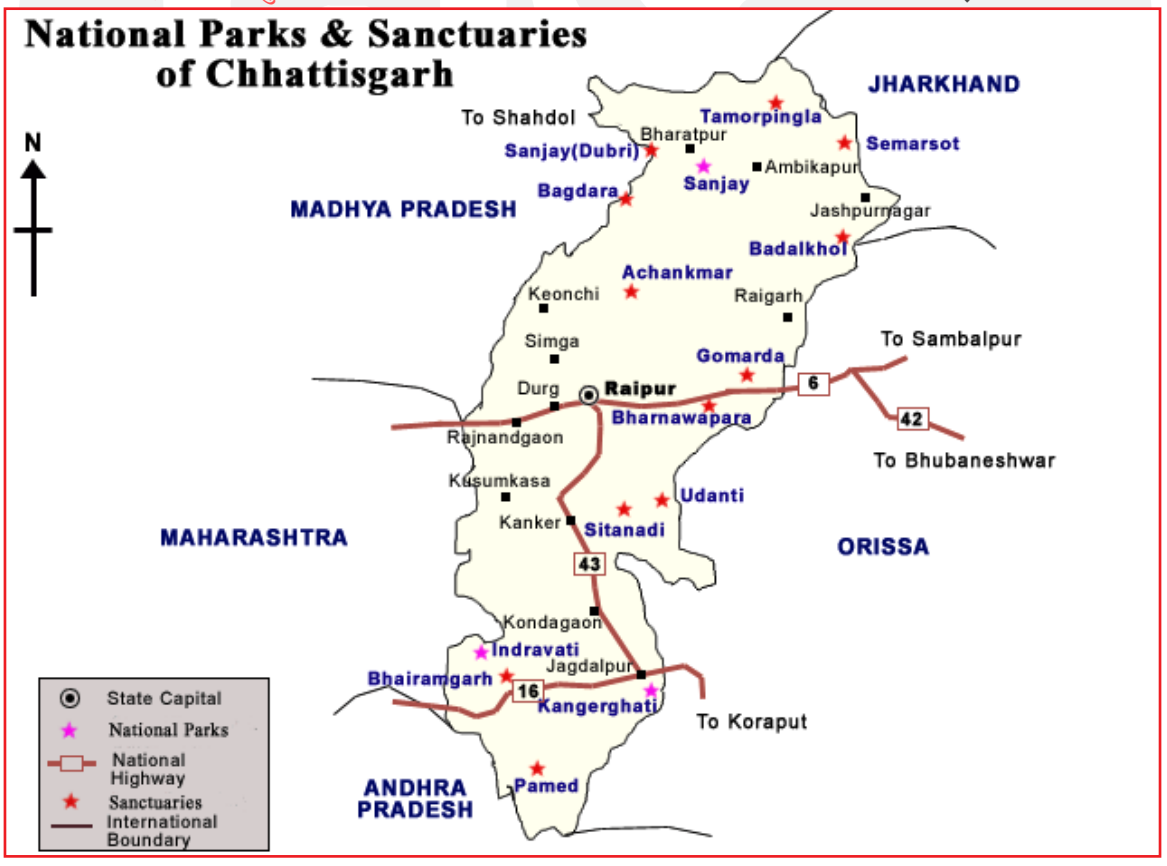


नोट :

- **संरक्षण और कनेक्टिविटी:**
  - यह मध्य प्रदेश के **संजय दुबरी टाइगर रिज़र्व** के साथ मिलकर लगभग 4,500 वर्ग किलोमीटर का भूदृश्य परिसर बनाता है।
  - यह पश्चिम में **बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व, मध्य प्रदेश** और पूर्व में **पलामू टाइगर रिज़र्व, झारखंड से जुड़ा हुआ है।**
- **पारिस्थितिकी एवं जीव विविधता:**
  - **छोटा नागपुर पठार और आंशिक रूप से बघेलखंड पठार में** स्थित इस रिज़र्व में विविध भूभाग, घने वन, जलधाराएँ और नदियाँ हैं, जो **बाघों** के लिये महत्त्वपूर्ण पर्यावास उपलब्ध कराते हैं।
- **भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने 753 प्रजातियों का दस्तावेज़ीकरण किया:**
  - 365 अकशेरुकी (मुख्यत: कीट)।
  - 388 कशेरुकी, जिनमें 230 पक्षी प्रजातियाँ और 55 स्तनपायी प्रजातियाँ शामिल हैं, जिनमें से कई परिसंकटमय में हैं।
- छत्तीसगढ़ में अब **चार बाघ रिज़र्व हैं, जिससे राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ( NTCA ) प्रोजेक्ट टाइगर पहल** के तहत बाघ संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा मिला है।

## रायपुर में सुशासन सम्मेलन

### चर्चा में क्यों ?

**हाल ही में रायपुर** में **सुशासन** पर दो दिवसीय सम्मेलन में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रधानमंत्री के तहत शुरू किये गए **शासन सुधारों में "ईज़ ऑफ लिविंग" और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी गई है ।**

### प्रमुख बिंदु

- **कार्यक्रम विवरण:**
  - **प्रशासनिक सुधार एवं शिकायत निवारण विभाग ( DARPG )** और **छत्तीसगढ़ सरकार** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया ।
  - सार्वजनिक सेवा वितरण सुधारों पर चर्चा करने के लिये **नीति निर्माताओं, नौकरशाहों और विशेषज्ञों को** एक साथ लाया गया।
- **विकेंद्रीकृत शासन पर चर्चा:**
  - **शासन संबंधी चर्चाओं को सत्ता के केंद्रीय कक्षों से आगे** ले जाने के महत्त्व पर बल दिया गया।
  - राज्यों में आयोजित सम्मेलनों से क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान सुनिश्चित होते हैं **तथा केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलता है।**
  - इसी प्रकार के कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु तथा अन्य राज्यों में भी आयोजित किये गए, जो राष्ट्रव्यापी पहुँच को दर्शाते हैं।
- **ऐतिहासिक प्रशासनिक सुधार:**
  - **नौकरशाही की लालफीताशाही को कम करने के लिये** 2,000 से अधिक अप्रचलित नियमों को हटा दिया गया है।
  - सत्यापित दस्तावेज़ों की आवश्यकता को समाप्त करके **प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया, जिससे नागरिकों में विश्वास मज़बूत हुआ।**
  - पेंशनभोगियों के लिये चेहरा पहचानने वाली तकनीक शुरू की गई, जिससे भौतिक सत्यापन की आवश्यकता समाप्त हो गई।
  - समय पर भुगतान के लिये **पेंशन और परिवार पात्रता प्रणालियों का डिजिटलीकरण बढ़ाया गया।**
  - **ग्रुप B और C के पदों के लिये साक्षात्कार समाप्त कर दिया गया**, जिससे भर्ती प्रक्रियाओं में पक्षपात और भ्रष्टाचार कम हो गया।
- **सुधारों का प्रभाव:**
  - शासन सुधारों का उद्देश्य **विलंब को कम करना, भ्रष्टाचार से निपटना और** नागरिकों के लिये प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।
  - कार्यकुशलता बढ़ाने के लिये प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया गया, **जिससे विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और ग्रामीण आबादी को लाभ मिला।**

नोट :

# सुशासन

*विश्व बैंक के अनुसार, सुशासन वह माध्यम है जिसके द्वारा विकास के लिये किसी देश के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्ति का प्रयोग किया जाता है।*

## संदर्भ

- भगवद् गीता
- **कौटिल्य का अर्थशास्त्र:** राजा की भूमिका में प्रजा का कल्याण सर्वोपरि माना जाता है
- महात्मा गांधी ने **"सु-राज"** (सुशासन) पर ज़ोर दिया है
- **सतत् विकास लक्ष्य 16:** शासन, समावेशन, भागीदारी, अधिकार और सुरक्षा में सुधार

## मुख्य विशेषताएँ (मानवाधिकार परिषद् के अनुसार)

- पारदर्शिता
- ज़िम्मेदारी
- जवाबदेहिता (Responsibility)
- भाग लेना (Participation)
- जवाबदेही (Responsiveness) [लोगों की आवश्यकताओं के प्रति]

## संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिये गए 8 सिद्धांत

## भारत में सुशासन नामक पहल

**राष्ट्रीय सुशासन दिवस: 25 दिसंबर** (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती से)

- **पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता**
  - सूचना का अधिकार (**अनुच्छेद 19 (1)**) और RTI अधिनियम, 2005
  - ई-गवर्नेंस (न्यूनतम सरकार - अधिकतम गवर्नेंस); डिजिटल इंडिया कार्यक्रम
  - केंद्रीय लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS)
- **विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन**
  - नीति आयोग (सहकारी संघवाद)
  - 73वाँ और 74वाँ संविधान संशोधन
- **नागरिक भागीदारी और सशक्तीकरण**
  - मेक इन इंडिया पहल, MyGov प्लेटफॉर्म, RTE अधिनियम, 2009
- **वैधानिक सुधार**
  - मॉडल पुलिस अधिनियम (2015), e-FIR, e-कोर्ट प्रोजेक्ट, SUPACE पोर्टल
- **सुशासन सूचकांक** (इसे DARPG द्वारा तैयार किया जाता है)

## संबंधित चुनौतियाँ

- **भ्रष्टाचार:** भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2023 में भारत 93/180वें स्थान पर है
- **असमानता और सामाजिक बहिष्कार:** भारत में धन की असमानता 60 वर्ष के उच्चतम स्तर पर है (वर्ष 2024 में) (शीर्ष 1% लोगों के पास 40.1% संपत्ति है)
- **अपर्याप्त न्यायिक अवसंरचना:** विभिन्न न्यायालयों में 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, (मात्र उच्चतम न्यायालय में ~80,000)

## सुझाव

- नीतिगत निर्णयों में नागरिकों को शामिल करने के लिये एक सुरक्षित डेटा प्लेटफॉर्म निर्माण की आवश्यकता है
- AI-संचालित शिकायत निवारण
- **सेवोत्तम मॉडल (Sevottam Model):** सार्वजनिक सेवा वितरण के लिये द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) द्वारा प्रस्तावित किया जाना चाहिये

Drishti IAS

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :